११ : रहीम के दोहे

प्रश्नावली

दोहे से

प्रश्न 1. पाठ में दिए गए दोहों की कोई पंक्ति कथन है और कोई कथन को प्रमाणित करनेवाला उदाहरण। इन दोनों प्रकार की पंक्तियों को पहचान कर अलग-अलग लिखिए।

प्रश्न 2. रहीम ने क्वार के मास में गरजनेवाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है जो पहले कभी धनी थे और बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं? दोहे के आधार पर आप सावन के बरसने और गरजनेवाले बादलों के विषय में क्या कहना चाहेंगे?

दोहों से आगे

प्रश्न 1.नीचे दिए गए दोहों में बताई गई सच्चाइयों को यदि हम अपने जीवन में उतार ले तो उनके क्या लाभ होंगे? सोचिए और लिखिए-

(क) तरुवर फल..........सचहिं सुजान।।

(ख) धरती की-सी..................यह देह।।

भाषा की बात

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप लिखिए-

जैसे-परे-पड़े (रे, रे)

बिपति बादर

मछरी सीत

प्रश्न 2. नीचे दिए उदाहरण पढ़िए-

(क) बनत बहुत बहु रीत।

(ख) जाल परे जल जात बहि।

उपर्युक्त उदाहरणों की पहली पंक्ति में 'ब' का प्रयोग कई बार किया गया है और दूसरी में 'ज' का प्रयोग। इस प्रकार बार-बार एक ध्वनि के आने से भाषा की सुंदरता बढ़ जाती है। वाक्य रचना की इस विशेषता के अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर

<u>दोहे से</u>

उत्तर 1- **कथन वाले दोहे –**
(1) जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।

रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह||

(2) कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।

बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत||

उदाहरण वाले दोहे –

(i) थोथे बादर क्वार के, ज्यों रहीम घहरात।

धनी पुरूष निर्धन भए, करें पाछिली बात||

(ii) धरती की-सी रीत है, सीत घाम औ मेह।

जैसी परे सो सहि रहे, त्यों रहीम यह देह||

उत्तर 2- आश्विन(क्वार) के महीने में आसमान में जो बादल दिखते है वो जितना गरजते है उतने बरसते नही है, इसीलिए उसकी तुलना निर्धन व्यक्तियों से किया गया है जो पहले धनबन थे और उस व्यक्ति के बीती बातें आज के दिन में अर्थहीन है।

लेकिन सावन के बादल गरजने के साथ साथ बरसते भी है।

दोहों से आगे

उत्तर 1- (क) इस दोहें के द्वारा रहीम कहना चाहते है कि जैसे सरोवर अपना पानी नही पीता है और बृक्ष अपना फल नहीं खाता है उसी तरह सज्जन व्यक्ति की संचित अर्थ अपने लाभ के लिए नही दुसरो के भलाई के लिए खर्च होता है।

(ख) इस दोहें से रहीम हमे धरती के जैसे सहनशील होने के उपदेश दे रहे है, अगर हम सच को स्वीकार कर लें तो हम जीवन के हर स्तिथि में सामान्य रूप से रह पाएंगे।

भाषा की बात

उत्तर 1: बिपति - विपत्ति

बादर - बादल

मछरी -मछली

सीत   -शीत

उत्तर 2- (1) चंदू के चाचू ने चांदी के चम्मच से चंदू को खिलाया(यहाँ 'च' का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)

(2) मुदित महिपति मंदिर आए।(यहाँ 'म' का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)

(3) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए(यहाँ 'त' का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)

(4) हमारे हरि हारिल की लकरी(यहाँ 'ह' का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)

(5) रघुपति राघव राजा राम(यहाँ 'र' का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)